Govt. Birla College, Bhawani Mandi, Jhalawar

E-mail: - govtbirlacollege@gmail.com Contact No. - 07433-222125

3.3.3 - Number of books and chapters in edited volumes/books published and papers published in national/ international conference proceedings per teacher during the year:-

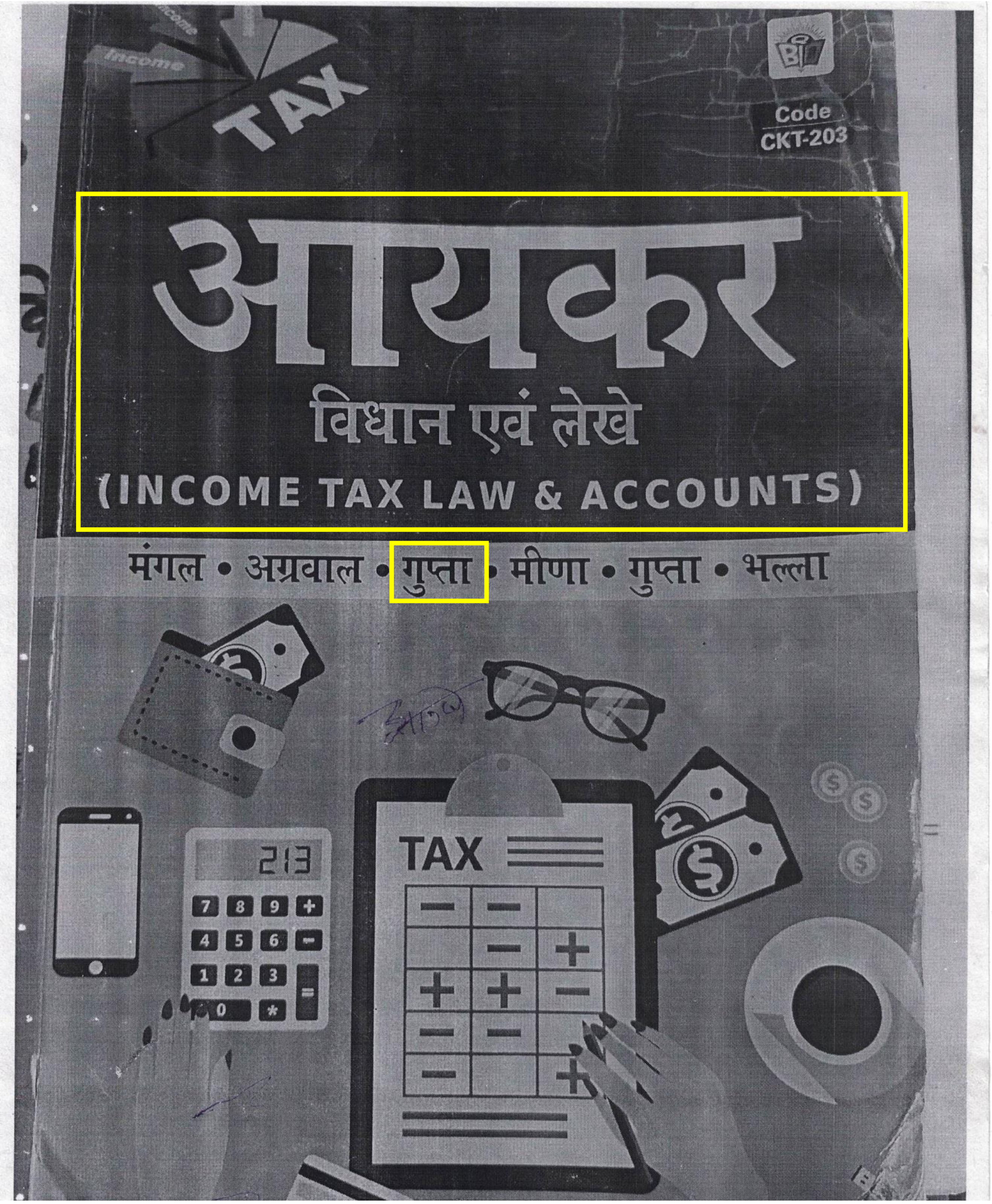

आयकर विधान एवं लेखे

[INCOME-TAX LAW & ACCOUNTS]

[समस्त भारतीय विश्वविद्यालयों के बी. कॉम. कक्षाओं के लिए,
विशेषकर कोटा विश्वविद्यालय के लिए]

प्रो० एस० के० मंगल (सी.एम.ए.)
पूर्व प्रोफेसर
लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग
एवं *पूर्व निदेशक*
पीजी. स्कूल ऑफ कॉमर्स एवं
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

डॉ. सीता राम गुप्ता
डीन एवं निदेशक
क्रियेटिव गर्ल्स कॉलेज
गंगापुर सिटी

डॉ. अनिल कुमार गुप्ता
सह आचार्य
लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग,
राजकीय बिड़ला महाविद्यालय, भवानी मंडी

डॉ. अमरनाथ अग्रवाल
सहायक आचार्य
लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग,
एस. सी. आर. एस. राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, सवाई माधोपुर
(राजस्थान)

प्रो. बी. सी. मीणा
प्राचार्य
राजकीय पी. जी. महाविद्यालय,
झालावाड़

डॉ. संजय भल्ला
सह आचार्य
लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग,
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बूँदी

SPECIMEN COPY

संशोधित संस्करण

2020-21

आर. बी. डी. पब्लिशिंग हाउस
(यूनिट ऑफ – रमेश बुक डिपो)
जयपुर - नई दिल्ली

प्रकाशक :
आर.बी.डी. पब्लिशिंग हाउस
65, शिवाजी नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर
फोन : 2220742, 2229583, टैली फैक्स : 2220359
E-mail : rbdbooks@hotmail.com
Website : www.rbdbooks.com

नई दिल्ली कार्यालय :
RZ-2705/29 मुख्य जगदम्बा रोड,
तुगलकाबाद एक्स., नई दिल्ली-110019
फोन : (011) 29993445-53
E-mail : sheel@ndf.vsnl.net.in

© सर्वाधिकार सुरक्षित

ISBN 81-8142-046-2

Also Available
ENGLISH EDITION & PRACTICAL PROBLEMS

नवीन संस्करण 2020-21

मूल्य : ₹ 440/- **Code-CKT-203**

In our endeavour to protect you against counterfeit/fake books we have put a Hologram Sticker on the cover of some of our best selling Titles. The Hologram displays a unique 3-D multi-level, multi colour effect from different angles when properly illuminated under a single source of light. Our hologram have following two levels of flat graphics merged together.

Background artwork seems to be "under" or "behind" the Hologram, giving the illusion of depth unlike a fake hologram which does not give any illusion of depth.

DISCLAIMER FROM AUTHORS & PUBLISHERS:
Every effort has been made to avoid errors or omissions in this publication. In spite of this, some errors might have crept in. Any mistake, error or discrepancy noted may please be brought to our notice which shall be taken care of in the next edition. It is notified that neither the publishers nor the authors or sellers will be responsible for any damage or loss to any one, of any kind, in any manner, therefrom. The authors and publishers specifically disclaim any implied warranties as to merchantability or fitness of the publication for any particular purpose.
No part of this book may be reproduced or copied in any form or by any means (graphic, electronic or mechanical, including photocopying, recording, taping or information retrieval system) or reproduced on any disc, tape, perforated media or other information storage device, etc., without the written permission of the publishers. Breach of this condition is liable for legal action.
For binding mistakes, misprints or for missing pages, etc., the publisher's liability is limited to replacement within one month of purchase by similar edition. All expenses in this connection are to be borne by the purchaser. All disputes are subject to Jaipur jurisdiction only.

लेज़रटाइपसैटिंग
आर.बी.डी. कम्प्यूटर्स, जयपुर

मुद्रक :
मै. कौस्तुभ प्रिंटर्स, जयपुर

प्रस्तावना

"आयकर विधान एवं लेखे" का बी. कॉम., बी. कॉम. (आनर्स), पी.सी.सी. (सी.ए.) एवं आई.पी.सी.सी. (सी.ए.) स्तर हेतु पूर्णतः संशोधित, परिमार्जित एवं पुनः व्यवस्थित संस्करण नये रूप में आपके समक्ष प्रस्तुत है। अब तक के संस्करण आप सभी के द्वारा जिस प्रकार सराहे गये हैं उसने हमारे उत्साह में अपूर्व वृद्धि की है। इस पुस्तक की प्रति वर्ष बढ़ती चाहत इस बात का संकेत है कि आप सभी का सहयोग एवं समर्थन हमें प्राप्त हो रहा है। गत संस्करण की भाँति यह संस्करण भी त्रुटि-रहित होगा, ऐसा हमारा पूर्ण विश्वास है। इस संस्करण से पूर्व संस्करणों की सभी विशेषताओं सहित निम्न विशिष्ट विशेषताओं को और सम्मिलित किया गया हैं :

- सभी शिक्षक-बन्धुओं द्वारा समय-समय पर दिये गये सुझावों का पूर्ण रूप से पालन करते हुए ही पुस्तक का परिमार्जन एवं संशोधन किया गया है।
- सभी अध्यायों में उदाहरणों एवं प्रश्नों को अधिक वैज्ञानिक ढंग से क्रमबद्ध किया गया है।
- विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों के आधार पर नये उदाहरणों तथा प्रश्नों का यथा-स्थान समावेश किया गया है।
- समस्त विश्वविद्यालयों में लागू नवीन परीक्षा पद्धति के अनुसार सभी अध्यायों के अन्त में अधिक से अधिक संख्या में, लघुउत्तरीय (Short answer), वस्तुनिष्ठ (Objective), सैद्धान्तिक (Theoretical) एवं व्यावहारिक (Practical) प्रश्न दिये गये हैं।
- पुस्तक की विषय-सामग्री को अधिक वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्थित किया गया है एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों के 2020 तक के प्रश्न पत्रों को भी सम्मिलित किया गया है।
- क्लिष्ट प्रावधानों को विश्लेषणात्मक ढंग से तथा उपयुक्त चार्ट, सूत्र एवं उदाहरण आदि की सहायता से समझाया गया है।
- विभिन्न उच्च न्यायालयों एवं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्णित मामलों में स्थापित प्रावधानों का यथा-स्थान समावेश किया गया है।
- वित्त अधिनियम, 2019 के समस्त संशोधनों को यथा स्थान सम्मिलित करके पुस्तक को कर निर्धारण वर्ष 2020-21 के लिए तैयार किया गया है। वर्ष 2020 तक के विभिन्न विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं में सम्मिलित प्रश्नों को इस पुस्तक में सम्मिलित किया गया है।
- हमनें आयकर जैसे क्लिष्ट, दुरूह एवं दुष्कर विषय को साधारण हिन्दी में तथा रोचक शैली में लिखकर एवं नये ढंग से प्रस्तुत करके विद्यार्थियों के लिए बोधगम्य बना दिया है।

हम श्री नीरज अग्रवाल, c/o साँई नाथ कॉमर्स क्लासेज, श्री अनिल गालव, c/o गालव कॉमर्स क्लासेज, श्री मयंक मंत्री, c/o एस. एम. इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स, श्री अनीस अग्रवाल एवं श्री मुकेश द्राखेड़ा, c/o रेज्योनेन्स इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स, श्री विनोद नागवानी, c/o विनायक कॉमर्स क्लासेज, श्री एम. के. जैन, c/o जैन कॉमर्स क्लासेज, श्री रजनीश नागर, c/o आदर्श कॉमर्स क्लासेज, डॉ. वितेन्द्र पामेचा c/o लक्ष्य कॉमर्स क्लासेज, सी.ए. रजनी मित्तल, c/o मित्तल कॉमर्स क्लासेज, श्री रितेश जैन, c/o एडिशनल कॉमर्स क्लासेज, श्री दिनेश व्यास, c/o बी.सी.सी., श्री राजीव अग्रवाल, श्री मुकेश गुप्ता, c/o गुप्ता कॉमर्स क्लासेज, कोटा, श्री मधुप वर्मा, c/o मधुप कॉमर्स क्लासेज, श्री संजय जैन, c/o स्टेडी सेन्टर ऑफ कॉमर्स, श्री हेमन्त सोनी, c/o सोनी ऐज्यूकेशन क्लासेज, कोटा के भी आभारी है जिन्होंने पुस्तक के लेखन कार्य में सहयोग दिया है।

प्रस्तुत पुस्तक के प्रकाशन का कार्य मैसर्स आर. बी. डी. पब्लिशिंग हाउस, जयपुर के श्री सुमित चाण्डक के अथक प्रयासों, लगन, मेहनत, बुद्धिमता एवं अद्वितीय प्रबन्धकीय योग्यता एवं सतत् प्रयास के कारण ही सम्भव हो सका है। मैसर्स आर.बी.डी. पब्लिशिंग हाउस में कार्यरत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के अलावा विशेष रूप से श्री संतोष अजमेरा ने इस पुस्तक को मूर्तरूप देने में धैर्य एवं पूर्ण लगन से सहयोग प्रदान किया, हम उनके हृदय से आभारी हैं।

परमपिता परमात्मा से हमारी प्रार्थना है कि यह संस्करण आपको और अधिक प्रिय और आकर्षक लगे। आपके रचनात्मक सुझाव सदैव आमन्त्रित हैं तथा इसके लिये हम आपके अत्यन्त आभारी रहेंगे।

—लेखकगण

विषय – सूची

1. परिचय एवं परिभाषाएँ
(Introduction and Definitions) .... 1.1 - 1.020

2. निवास स्थिति एवं कर-भार
(Residential Status and Incidence of Tax) .... 2.1 - 2.024

3. वेतन
(Salaries) .... 3.1 - 3.120

4. मकान सम्पत्ति से आय
(Income from House Property) .... 4.1 - 4.080

5. ह्रास एवं अन्य प्रावधान
(Depreciation and Other Provisions) .... 5.1 - 5.042

6. व्यवसाय एवं पेशे से आय
(Income from Business and Profession) .... 6.1 - 6.122

7. पूँजीगत लाभों से आय
(Income from Capital Gains) .... 7.1 - 7.100

8. अन्य साधनों से आय
(Income from Other Sources) .... 8.1 - 8.068

9. मानी-गई आयें
(Deemed Incomes) .... 9.1 - 9.024

10. कर-मुक्त आय
(Exempted Incomes) .... 10.1 - 10.026

11. हानियों की पूर्ति एवं आगे ले जाना
(Set off and Carry Forward of Losses) .... 11.1 - 11.036

12. सकल कुल आय में से कटौतियाँ
(Deductions from Gross Total Income) .... 12.1 - 12.068

13. व्यष्टियों का कर-निर्धारण
(Assessment of Individuals) .... 13.1 - 13.094

14. हिन्दू अविभाजित परिवार का कर-निर्धारण
(Assessment of Hindu Undivided Family) .... 14.1 - 14.040

15. फर्म एवं सीमित दायित्व फर्म का कर-निर्धारण
(Assessment of Firm and Limited Liability Firm) ...... 15.1 - 15.070

16. व्यक्तियों के समुदाय का कर-निर्धारण
(Assessment of AOP) .... 16.1 - 16.022

17. कर का अग्रिम भुगतान
(Advance Payment of Tax) .... 17.1 - 17.022

18. उद्गम स्थान पर कर की कटौती (Deduction of Tax at Source) .... 18.1 - 18.030

19. कर की वसूली एवं वापसी (Collection, Recovery and Refund of Tax) .... 19.1 - 19.012

20. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से कर विवरणी प्रस्तुत करने की प्रक्रिया (Process of E-Filing of Income Tax Return) .... 20.1 - 20.012

21. आय का विवरण एवं कर-निर्धारण की कार्यविधि (Return of Income and Procedure of Assessment) .... 21.1 - 21.026

22. जुर्म, अर्थदण्ड एवं सजाएँ (Offences, Penalties and Prosecutions) .... 22.1 - 22.010

23. अपील एवं पुनर्विचार (Appeals and Revision) .... 23.1 - 23.010

24. आयकर पदाधिकारी एवं उनकी शक्तियाँ (Income Tax Authorities and Their Powers) .... 24.1 - 24.010

■ Appendix .... (1) - (3)

□□□

परिचय एवं परिभाषाएँ (Introduction and Definitions) — 1

आयकर (Income Tax) : 'आयकर' आय पर लगाया जाने वाला एक प्रत्यक्ष एवं प्रगतिशील कर है। भारत में करदाताओं से दो प्रकार के कर वसूल किये जाते हैं–(i) प्रत्यक्ष कर (Direct Tax) तथा (ii) अप्रत्यक्ष कर (Indirect Tax)। प्रत्यक्ष कर से तात्पर्य एक ऐसे कर से है जिसमें कर को चुकाने वाला ही कर का भार भी वहन करता है अर्थात् इसमें करघात एवं करापात (Incidence of Tax and Impact of Tax) एक ही व्यक्ति पर होता है। इसके विपरीत अप्रत्यक्ष कर में कर चुकाने वाला व्यक्ति इसका भार ग्राहक पर डाल देता है। आयकर प्रत्यक्ष कर का उदाहरण है जबकि वस्तु एवं सेवाकर अप्रत्यक्ष कर का उदाहरण है।

विश्व के अधिकांश देशों की तरह भारतीय राजस्व में भी आयकर का योगदान सर्वाधिक है। यह कर भारत में केन्द्रीय सरकार द्वारा वसूल किया जाता है तथा निश्चित मापदण्डों के आधार पर इस कर से प्राप्त राशि को केन्द्रीय एवं राज्य सरकारों के मध्य वितरित किया जाता है। इस हेतु राष्ट्रपति प्रत्येक पाँच वर्ष की अवधि में वित्त आयोग की नियुक्ति करता है जो कि यह सुझाव देता है कि आयकर द्वारा एकत्रित राशि को केन्द्र तथा राज्यों के मध्य किस प्रकार वितरित किया जावे।

भारत में आयकर सर्वप्रथम 1860 में ब्रिटिश सरकार के शासन काल में सर जेम्स विल्सन ने लगाया, लेकिन इस सम्बन्ध में विधिवत् अधिनियम 1886 में पारित किया गया।

भारत में आयकर सम्बन्धी व्यवस्थाओं को निम्न तीन चरणों में विभक्त किया जा सकता है :

प्रथम चरण : कर-योग्य आय की गणना (Computation of Taxable Income)

द्वितीय चरण : कर की राशि की गणना (Computation of the Amount of Tax)

तृतीय चरण : कर वसूली एवं प्रशासन (Tax Recovery and Administration)

भारत में आयकर की उपर्युक्त वर्णित व्यवस्थाओं के अध्ययन के लिए निम्नांकित अधिनियमों, नियमों, वित्त अधिनियम, स्पष्टीकरण एवं अधिसूचनाओं को समझना अति आवश्यक है–

1. आयकर अधिनियम, 1961 (Income Tax Act, 1961)
2. आयकर नियम, 1962 (Income Tax Rules, 1962)
3. राजकीय अधिसूचनाएँ (Government Notifications)
4. वित्त अधिनियम–वार्षिक (Finance Act–Annual)
5. केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के परिपत्र तथा स्पष्टीकरण (Circulars and Clarifications of The Central Board of Direct Taxes)
6. न्यायालयों के निर्णय (Court Decisions)

उपर्युक्त वर्णित अधिनियम एवं नियमों का संक्षिप्त परिचय निम्न प्रकार है :

1. आयकर अधिनियम, 1961 (Income Tax Act, 1961)–समस्त भारत में आयकर अधिनियम, 1961 अप्रेल 1, 1962 से लागू किया गया। वर्तमान में इस अधिनियम के अन्तर्गत 298 धाराएँ, विभिन्न उपधाराएँ तथा 14 अनुसूचियाँ हैं। इस अधिनियम को समय-समय पर संशोधित किया जाता रहा है। प्रत्येक वर्ष वित्तीय बजट के प्रस्तुतीकरण में सामान्यतया आयकर अधिनियम की धाराओं एवं उपधाराओं में परिवर्तन एवं संशोधन होते रहते हैं।

2. आयकर नियम, 1962 (Income Tax Rules, 1962)–भारत में आयकर नियम, आयकर अधिनियम के अनुपूरक हैं, जिनमें आयकर अधिनियम में वर्णित विभिन्न धाराओं से सम्बन्धित विस्तृत नियमों, विभिन्न फॉर्मों, प्रपत्रों आदि का वर्णन किया गया है। आयकर नियमों में भी आयकर अधिनियम की तरह समय-समय पर संशोधन व परिवर्तन होते रहते हैं।

3. राजकीय अधिसूचनाएँ (Government Notifications)–भारत सरकार का वित्त मन्त्रालय आयकर से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं, जैसे भविष्य-निधि संस्थाओं के अनुमोदन, पूँजी लाभों की गणना, आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएँ जारी करता रहता है। आयकर की गणना के लिए इन अधिसूचनाओं में उल्लेखित घोषणाओं को ध्यान में रखना होता है।

श्रद्धावान्लभतेज्ञानम्